**भारत सरकार**

**रेल मंत्रालय**

**लोक सभा**

**04.02.2026 के**

**अतारांकित प्रश्न सं. 791 का उत्तर**

**देशभर में रेलवे नेटवर्क का विस्तार**

**791. श्री थरानिवेंथन एम. एस.:**

**श्रीमती मंजू शर्मा:**

**क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:**

**(क) क्या सरकार को रेलवे नेटवर्क के विस्तार के लिए विभिन्न राज्यों से प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं;**

**(ख) यदि हां, तो पिछले पांच वर्षों के दौरान राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार प्राप्त ऐसे प्रस्तावों का ब्यौरा क्या है;**

**(ग) इन प्रस्तावों पर सरकार द्वारा की गई या की जाने वाली प्रस्तावित कार्रवाई का ब्यौरा क्या है;**

**(घ) देशभर में रेलवे नेटवर्क के विस्तार से संबंधित प्रस्तावों का ब्यौरा क्या है और किन नए मार्गों की योजना है या इन पर विचार किया जा रहा है;**

**(ङ) रेलवे नेटवर्क से वंचित क्षेत्रों या मार्गों की पहचान करने के लिए सरकार द्वारा क्या मानदंड अपनाए जाते हैं और इस प्रक्रिया में क्षेत्रीय संपर्क अंतराल को किस प्रकार दूर किया जाता है;**

**(च) क्या राजस्थान और तमिलनाडु के उन ग्रामीण और दूर-दराज के क्षेत्रों में रेलवे संपर्क बढ़ाने की कोई योजना है जो वर्तमान में रेलवे सुविधाओं से वंचित हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और**

**(छ) उत्तर पश्चिम रेलवे जोन और दक्षिण रेलवे में रेलवे नेटवर्क के विस्तार के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?**

**उत्तर**

**रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री**

**(श्री अश्विनी वैष्णव)**

**(क) से (छ): रेल परियोजनाओं का सर्वेक्षण/स्वीकृति/निष्पादन क्षेत्रीय रेल-वार किया जाता है न कि राज्य-वार/जिला-वार, क्योंकि रेल परियोजनाएं विभिन्न राज्यों/जिलों की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं।**

01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में सर्वत्र लगभग ₹6.75 लाख करोड़ लागत पर 35,966 किलोमीटर की कुल लंबाई की 431 रेल अवसंरचना परियोजनाएं (154 नई लाइन, 33 आमान परिवर्तन और 244 दोहरीकरण) स्वीकृत हैं। इसका सार इस प्रकार है:-

| कोटि | परियोजनाओं की संख्या | कुल लंबाई नई लाइन/आमान परिवर्तन/दोहरीकरण (किलोमीटर में) | मार्च, 2025 तक चालू की गई लंबाई | मार्च' 2025 तक कुल व्यय (करोड़ ₹ में) |
|---|---|---|---|---|
| नई लाइन | 154 | 16,142 | 3,036 | 1,45,318 |
| आमान परिवर्तन | 33 | 4,180 | 2,997 | 22,753 |
| दोहरीकरण/ बहुपथन | 244 | 15,644 | 6,736 | 1,22,858 |
| कुल | 431 | 35,966 | 12,769 | 2,90,929 |

सभी रेल परियोजनाओं का क्षेत्र-वार/वर्ष-वार विवरण भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध कराया जाता है।

भारतीय रेल में नए रेलपथ को चालू करने/बिछाने का विवरण इस प्रकार है:-

| अवधि | चालू किए गए नए रेलपथ | नए रेलपथों को चालू करने की औसत दर |
|---|---|---|
| 2009-14 | 7,599 किलोमीटर | 4.2 किलोमीटर प्रतिदिन |
| 2014-25 | 34,428 किलोमीटर | 8.6 किलोमीटर प्रतिदिन (2 गुना से अधिक) |

पिछले 05 वर्षों अर्थात् वित्त वर्ष 2020-21, 2021-22, 2022-23, 2023-24, 2024-25 और चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारतीय रेल में सर्वत्र लगभग ₹2,60,756 करोड़ की लागत पर 13,176

किलोमीटर की कुल लंबाई की 290 परियोजनाएं (नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण) स्वीकृत की गई है। इसके अलावा, इस अवधि के दौरान, 71,611 किलोमीटर की कुल लंबाई के 1,048 सर्वेक्षण (325 नई लाइन, 15 आमान परिवर्तन और 708 दोहरीकरण) स्वीकृत किए गए हैं।

<u>राजस्थान</u> :

राजस्थान में रेल परियोजनाएं भारतीय रेल की उत्तर पश्चिम रेल, उत्तर मध्य रेल, उत्तर रेलवे, पश्चिम रेल द्वारा पूरी की जाती हैं।

हाल के वर्षों में बजट आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। राजस्थान राज्य में पूर्णतः/अंशतः स्थित अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:

| अवधि | परिव्यय |
|---|---|
| 2009-14 | ₹682 करोड़ प्रति वर्ष |
| 2025-26 | ₹9,960 करोड़ (लगभग 15 गुना) |

वर्ष 2009-14 और 2014-25 के दौरान राजस्थान राज्य में पूर्णत:/अंशत: स्थित नए रेलपथ को चालू करने/बिछाने का ब्यौरा इस प्रकार है:

| अवधि | चालू किए गए गए रेलपथ | नए रेलपथ को चालू करने की औसत दर |
|---|---|---|
| 2009-14 | 798 किलोमीटर | 159.60 किलोमीटर प्रति वर्ष |
| 2014-25 | 3,815 किलोमीटर | 346.82 किलोमीटर प्रति वर्ष (2 गुना से अधिक) |

दिनांक 01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, राजस्थान राज्य में पूर्णतः/अंशतः स्थित ₹43,918 करोड़ की लागत पर कुल 3,409 किलोमीटर लंबाई की 28 रेल परियोजनाएँ (13 नई लाइन, 05 आमान परिवर्तन और 10 दोहरीकरण) स्वीकृत की गई हैं। सार निम्नानुसार है:-

| कोटि | परियोजनाओं की संख्या | कुल लंबाई (किलोमीटर में) | चालू की गई लंबाई (किलोमीटर में) | मार्च 2024 तक उपगत व्यय (करोड़ ₹ में) |
|---|---|---|---|---|
| नई लाइन | 13 | 981 | 196 | 5769 |
| आमान परिवर्तन | 5 | 1252 | 788 | 6829 |
| दोहरीकरण/बहुपथन | 10 | 1176 | 254 | 6357 |
| कुल | 28 | 3,409 | 1,238 | 18,954 |

रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेल-वार विवरण भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध कराया जाता है।

राजस्थान राज्य में पूर्णत:/अंशत: स्थित कुछ परियोजनाओं का विवरण, जिन्हें हाल ही में पूरा किया गया है, इस प्रकार है:

| क्रम सं | परियोजना का नाम | नवीनतम लागत (करोड़ ₹ में) |
|---|---|---|
| 1. | बंगुरग्राम-रास नई लाइन (28 किलोमीटर) | 175 |
| 2. | थईयात हमीरा-सोनू नई लाइन (58 किलोमीटर) | 350 |
| 3. | सूरतपुरा-श्रीगंगानगर आमान परिवर्तन (241 किलोमीटर) | 896 |
| 4. | सादूलपुर-बीकानेर एवं रतनगढ़-डेगाना आमान परिवर्तन (438 किलोमीटर) | 886 |
| 5. | जयपुर-रींगस-सीकर-चूरू एवं सीकर-लोहारू आमान परिवर्तन (320 किलोमीटर) | 1105 |

| | | |
|---|---|---|
| 6. | भगत की कोठी-लूणी दोहरीकरण (28 किलोमीटर) | 128 |
| 7. | रानी-केशवगंज दोहरीकरण (59 किलोमीटर) | 290 |
| 8. | गुड़िया-मारवाड़ और करजोदा-पालनपुर दोहरीकरण (49 किलोमीटर) | 251 |
| 9. | रानी-मारवाड़ दोहरीकरण (52 किलोमीटर) | 346 |
| 10. | आबू रोड-स्वरूप गंज दोहरीकरण (26 किलोमीटर) | 195 |
| 11. | आबू रोड-सरोतरा रोड दोहरीकरण (24 किलोमीटर) | 152 |
| 12. | अलवर-बांदीकुई दोहरीकरण (60 किलोमीटर) | 450 |
| 13. | अजमेर-बंगुरग्राम दोहरीकरण (48 किलोमीटर) | 375 |
| 14. | बांगड़ग्राम-गुड़िया पैच दोहरीकरण (47 किलोमीटर) | 395 |
| 15. | डेगाना-राय का बाग दोहरीकरण (146 किलोमीटर) | 809 |
| 16. | बीना-कोटा दोहरीकरण (283 किलोमीटर) | 2476 |
| 17. | नीमच-चित्तौड़गढ़ दोहरीकरण (56 किलोमीटर) | 560 |
| 18. | दौसा-गंगापुर सिटी दोहरीकरण (93 किलोमीटर) | 950 |
| 19. | फुलेरा-डेगाना दोहरीकरण (108 किलोमीटर) | 702 |
| 20. | चूरू-रतनगढ़ दोहरीकरण (43 किलोमीटर) | 423 |

उपरोक्त के अलावा, राजस्थान के डाबला से आबू रोड तक (603 किलोमीटर) गुजरने वाले पश्चिमी समर्पित माल गलियारे के भाग को भी पूरा किया गया है।

राजस्थान राज्य में पूर्णतः/अंशतः स्थित शुरु की गयी कुछ मुख्य परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:

| क्र. सं | परियोजना का नाम | लागत (करोड़ ₹ में) |
|---|---|---|
| 1. | नीमच-बड़ी सादड़ी नई लाइन (48 किलोमीटर) | 495 |
| 2. | तरंगा हिल-आबू रोड नई लाइन (116 किलोमीटर) | 2798 |
| 3. | रामगंजमंडी-भोपाल नई लाइन (277 किलोमीटर) | 5073 |
| 4. | पुष्कर-मेड़ता नई लाइन (51 किलोमीटर) | 800 |
| 5. | रींगस-खाटू श्याम जी नई लाइन (17 किलोमीटर) | 254 |
| 6. | मेड़ता सिटी-रास नई लाइन और मेड़ता रोड स्टेशन पर बाई पास (56 किलोमीटर) | 947 |
| 7. | कोटा तक विस्तार के साथ ग्वालियर-श्योपुरकलां आमान परिवर्तन (284 किलोमीटर) | 2913 |
| 8. | गंगापुर सिटी तक विस्तार के साथ धौलपुर-सिरमुथरा आमान परिवर्तन (145 किलोमीटर) | 747 |
| 9. | मावली-देवगढ़ मदारिया आमान परिवर्तन (83 किलोमीटर) | 969 |
| 10 | मथुरा-झांसी तीसरी लाइन (274 किलोमीटर) | 5924 |
| 11 | आगरा किला-बांदीकुई दोहरीकरण (150 किलोमीटर) | 988 |
| 12 | सवाईमाधोपुर-जयपुर दोहरीकरण (131 किलोमीटर) | 1204 |
| 13 | चूरू-सादुलपुर एवं लूनी-भीलड़ी दोहरीकरण (330 किलोमीटर) | 3554 |

| | | |
|---|---|---|
| 14 | अजमेर-चंदेरिया दोहरीकरण (178 किलोमीटर) | 1635 |
| 15 | सवाईमाधोपुर में बाई पास लाइन (14 किलोमीटर) | 304 |
| 16 | रेवाडी-खाटूवास दोहरीकरण (28 किलोमीटर) | 352 |
| 17. | खाटूवास-नारनौल दोहरीकरण (24 किलोमीटर) | 313 |
| 18. | मारवाड़ में बाई पास लाइन (4 किलोमीटर) | 71 |
| 19. | चुरू में बाई पास लाइन (5 किलोमीटर) | 63 |
| 20. | समदरी में बाई पास लाइन (1 किलोमीटर) | 26 |
| 21. | रामदेवरा-पोखरन नई लाइन (13 किलोमीटर) | 189 |
| 22. | लालगढ़-बीकानेर पूर्व केबिन दोहरीकरण (11 किलोमीटर) | 279 |

पिछले तीन वर्षों 2022-23, 2023-24, 2024-25 और चालू वित्त वर्ष 2025-26 में, राजस्थान राज्य में पूर्णतः/अंशतः स्थित कुल 5,666 किलोमीटर लंबाई के कुल 59 सर्वेक्षण (25 नई लाइन और 34 दोहरीकरण) स्वीकृत किए गए हैं।

इसके अलावा राजस्थान राज्य में रेल-संपर्क और अधिक बेहतर बनाने के लिए, निम्नलिखित सर्वेक्षण शुरू किए गए हैं:

| क्र.सं. | परियोजना का नाम | लंबाई (किलोमीटर में) |
|---|---|---|
| 1 | अनुपगढ़-बीकानेर नई लाइन और रोझरी से खाजूवाला तक स्पर लाइन | 185 |
| 2 | जैसलमेर-भाभर/भिलडी नई लाइन | 380 |

| | | |
|---|---|---|
| 3 | खाजूवाला-जैसलमेर नई लाइन | 260 |
| 4 | रींगस-लोहारू दोहरीकरण | 172 |
| 5 | बीकानेर में बाईपास लाइन | 43 |
| 6 | खाटू श्याम जी-सुजानगढ़ नई लाइन | 45 |
| 7 | फलोड़ी-नागौर नई लाइन | 148 |
| 8 | जोधपुर में बाई पास | 80 |
| 9 | मारवाड़ भीनमल-मारवाड़ रतनपुर दोहरीकरण | 43 |
| 10 | अजमेर-दौसा नई लाइन | 236 |
| 11 | मंदसौर-बांसवाड़ा नई लाइन | 168 |
| 12 | रास-बिलाड़ा नई लाइन | 53 |
| 13 | लोहारू-पिलानी नई लाइन | 24 |
| 14 | जयपुर-फुलेरा तीसरी लाइन | 55 |
| 15 | सोनू-रामगढ़ नई लाइन | 20 |
| 16 | बीकानेर पूर्व-रतनगढ़ जंक्शन दोहरीकरण | 130 |
| 17 | रेवाड़ी के रास्ते दिल्ली से जयपुर उत्थापित रेल गलियारा | 310 |
| 18 | रेवाड़ी-सादुलपुर दोहरीकरण | 141 |
| 19 | नारनौल-फुलेरा दोहरीकरण | 164 |
| 20 | बठिंडा-जैसलमेर दोहरीकरण | 635 |

**<u>तमिलनाडु</u>**

**तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशत: स्थित रेल अवसंरचना परियोजनाओं को भारतीय रेल की दक्षिण रेल, दक्षिण मध्य रेल और दक्षिण पश्चिम रेल द्वारा पूरा किया जाता है।**

**हाल के वर्षों में बजट आबंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः स्थति अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों हेतु बजट आबंटन इस प्रकार है:**

| अवधि | परिव्यय |
|---|---|
| 2009-14 | ₹879 करोड़ प्रति वर्ष |
| 2025-26 | ₹6,626 करोड़ (7.5 गुना से अधिक) |

**01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः स्थित ₹22,808 करोड़ की लागत पर कुल 1,700 किलोमीटर लंबाई की 15 परियोजनाएं (09 नई लाइन, 03 आमान परिवर्तन और 03 दोहरीकरण) स्वीकृत हैं। इनका सार निम्नानुसार है:-**

| कोटि | स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या | कुल लंबाई (किलोमीटर में) | मार्च 2025 तक चालू की गई लंबाई (किलोमीटर में) | मार्च 2025 तक व्यय (करोड़ ₹ में) |
|---|---|---|---|---|
| नई लाइन | 9 | 812 | 24 | 1,337 |
| आमान परिवर्तन | 3 | 748 | 604 | 3,471 |
| दोहरीकरण/बहुपथन | 3 | 140 | 37 | 2,783 |
| कुल | 15 | 1700 | 665 | 7,591 |

**रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेल-वार विवरण भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध कराया जाता है।**

**तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः स्थित कुछ परियोजनाएं, जिन्हें हाल ही में पूरा किया गया है, का ब्यौरा निम्नानुसार है:**

| क्र. सं. | परियोजना | लागत (करोड़ ₹ में) |
|---|---|---|
| 1 | डिंडीगुल-पलानी-पोलाची आमान परिवर्तन (121 किलोमीटर) | 610 |
| 2 | पोलाची-पालघाट आमान परिवर्तन (56 किलोमीटर) | 350 |
| 3 | पोलाची-पोत्तनूर आमान परिवर्तन (40 किलोमीटर) | 400 |
| 4 | क्विलोन-तिरुनेलवेली-तिरुचेंदुर आमान परिवर्तन (357 किलोमीटर) | 1122 |
| 5 | मयिलादुतुरई-थिरुवरुर-कराइक्कुडी आमान परिवर्तन (187 किलोमीटर) | 1338 |
| 6 | मदुरै-बोडियाकन्नूर आमान परिवर्तन (90 किलोमीटर) | 593 |
| 7 | चेंगलपट्टू-विल्लुपुरम दोहरीकरण (102 किलोमीटर) | 670 |
| 8 | तिरुवल्लुर-अराक्कोनम चौथी लाइन (27 किलोमीटर) | 83 |
| 9 | चेन्नई सेंट्रल-बेसिन ब्रिज दोहरीकरण (2 किलोमीटर) | 31 |
| 10 | तंजावुर-पोनमलई दोहरीकरण (48 किलोमीटर) | 370 |
| 11 | विल्लुपुरम-डिंडीगुल दोहरीकरण (273 किलोमीटर) | 2000 |
| 12 | चेन्नई बीच-कोरुक्कुपेट तीसरी लाइन (5 किलोमीटर) | 168 |
| 13 | चेन्नई बीच-अट्टीपट्टू चौथी लाइन (22 किलोमीटर) | 293 |
| 14 | ओमलुर-मेत्तूरडैम कहीं-कहीं दोहरीकरण (29 किलोमीटर) | 327 |

| | | |
|---|---|---|
| 15 | चेंगलपट्टू-विल्लुपुरम और तांबरम-चेंगलपट्टू - तीसरी लाइन (133 किलोमीटर) | 1122 |
| 16 | सेलम-मैग्नेसाइट जंक्शन-ओमालुर दोहरीकरण (11 किलोमीटर) | 115 |
| 17 | मदुरै- मनियाची-तूतीकोरीन दोहरीकरण (160 किलोमीटर) | 1891 |
| 18 | मनियाची-नागरकोइल दोहरीकरण (102 किलोमीटर) | 1752 |
| 19 | चेन्नई बीच- चेन्नई एग्मोर दोहरीकरण (4 किलोमीटर) | 272 |
| 20 | कारैक्काल - पेरलम नई लाइन (23 किलोमीटर) | 373 |
| 21 | कारैक्काल पत्तन के लिए उत्तरी छोर पत्तन रेल-संपर्क (1 किलोमीटर) | 18 |

तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः स्थिति कुछ परियोजनाओं का विवरण, जिन्हें शुरू किया गया है, निम्नानुसार है:

| क्र.सं. | परियोजना | लागत (करोड़ ₹ में) |
|---|---|---|
| 1 | टिंडीवनम-नगरी नई लाइन (184 किलोमीटर) | 3631 |
| 2 | मोरप्पुर-धर्मपुरी नई लाइन (36 किलोमीटर) | 359 |
| 3 | नागपट्टिनम - तिरुतुरईपुंडी नई लाइन (43 किलोमीटर) | 742 |
| 4 | तिरूवनंतपुरम- कन्याकुमारी- दोहरीकरण (87 किलोमीटर) | 3785 |
| 5 | अराक्कोनम यार्ड तीसरी और चौथी लाइन (6 किलोमीटर) | 98 |

| | | |
|---|---|---|
| 6 | पेरम्बूर और अम्बातूर स्टेशन पांचवी और छठवीं लाइन परियोजना (6 किलोमीटर) | 178 |

पिछले तीन वर्षों 2022-23, 2023-24, 2024-25 और चालू वित्त वर्ष 2025-26 में, तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः स्थित कुल 2,501 किलोमीटर लंबाई के 29 सर्वेक्षण (06 नई लाइन और 23 दोहरीकरण) स्वीकृत किए गए हैं।

तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः स्थित महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं का निष्पादन भूमि अधिग्रहण में विलंब के कारण रुका हुआ है। तमिलनाडु में भूमि अधिग्रहण की स्थिति निम्नानुसार है:

| | |
|---|---|
| तमिलनाडु में परियोजनाओं के लिए कुल अपेक्षित भूमि | 4,326 हेक्टेयर |
| अधिग्रहण की गई भूमि | 1,052 हेक्टेयर (24%) |
| अधिग्रहण हेतु शेष भूमि | 3,274 हेक्टेयर (76%) |

भूमि अधिग्रहण में तेजी लाने के लिए तमिलनाडु सरकार के सहयोग की आवश्यक है।

भूमि अधिग्रहण के कारण विलंबित हुई कुछ महत्वपूर्ण परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

| क्र. सं | परियोजना का नाम | कुल अपेक्षित भूमि (हेक्टेयर में) | अधिग्रहण की गई भूमि (हेक्टेयर में) | अधिग्रहण हेतु शेष भूमि (हेक्टेयर में) |
|---|---|---|---|---|
| 1. | तिंडीवनम-तिरुवण्णामलै नई लाइन (71 किलोमीटर) | 276 | 33 | 243 |
| 2. | अतिपट्टू-पुत्तुर नई लाइन (88 किलोमीटर) | 189 | 0 | 189 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 3. | मोरप्पुर-धर्मपुरी नई लाइन (36 किलोमीटर) | 92 | 45 | 47 |
| 4. | मन्नारगुडी-पट्टुकोट्टई नई लाइन (41 किलोमीटर) | 196 | 0 | 196 |
| 5. | तंजावूर-पट्टुकोट्टई नई लाइन (52 किलोमीटर) | 152 | 0 | 152 |

इसके अलावा, रामेश्वरम - धनुषकोडी नई लाइन (18 किलोमीटर) को ₹734 करोड़ की लागत पर स्वीकृत किया गया था। दिनांक 01.03.2019 को परियोजना का शिलान्यास किया गया था। बहरहाल, परियोजना को शुरू नहीं किया गया था क्योंकि तमिलनाडु राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण नहीं किया गया है।

भारत सरकार परियोजनाओं के निष्पादन के लिए तैयार है, बहरहाल, इनकी सफलता तमिलनाडु सरकार के सहयोग पर निर्भर करती है।

किसी भी रेल परियोजना की स्वीकृति अनेक मापदंडों/कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- प्रत्याशित यातायात पूर्वानुमान और प्रस्तावित मार्ग की लाभप्रदता
- परियोजना द्वारा उपलब्ध कराया गया प्रथम और अंतिम मील रेल-संपर्क
- अनुपलब्ध कड़ियों को जोड़ना और अतिरिक्त मार्ग उपलब्ध कराना
- संकुलित/संतृप्त लाइनों का विस्तार
- राज्य सरकारों/केंद्रीय मंत्रालयों/जनप्रतिनिधियों द्वारा की गईं मांगें
- रेलवे की परिचालनिक आवश्यकताएँ
- सामाजिक-आर्थिक महत्व
- धन की समग्र उपलब्धता

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण
- वानिकी स्वीकृति
- अतिलंघनकारी जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण
- विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियाँ
- क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियाँ
- परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति
- परियोजना स्थल विशेष के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि।

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

रेल परियोजनाओं के प्रभावी और त्वरित कार्यान्वयन के लिए सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमः

- निधियों के आवंटन में पर्याप्त वृद्धि।
- फील्ड स्तर पर शक्तियों का प्रत्यायोजन।
- विभिन्न स्तरों पर परियोजना की प्रगति की गहन निगरानी
- शीघ्रोशीघ्र भूमि अधिग्रहण, वानिकी और वन्यजीव स्वीकृतियों तथा परियोजनाओं से संबंधित अन्य मुद्दों को सुलझाने के लिए राज्य सरकारों और संबंधित प्राधिकरणों के साथ नियमित अनुवर्तन कार्रवाई

******